मां के दूध की महक

यदि किसी के मन में यह ख्याल आया हो कि मां का दूध पीने वाले बच्चे एक ही तरह का भोजन पाकर ऊब जाएंगे, तो यह विचार त्याग दें। डेनमार्क के कोपनहेगन विश्वविद्यालय में किए गए हाल के प्रयोगों ने मां के भोजन और उसके दूध की महक के बीच सम्बंध स्थापित किया है। अध्ययन की शोधकर्ता हेलन होसनर ने बताया कि मां के दूध की महक में इसी विविधता के चलते बच्चे अलग-अलग भोज्य पदार्थों के प्रति अपनी पसंद विकसित करते हैं।

वैसे तो पहले किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका था कि मां जो कुछ खाती है, उसका असर बच्चे की पसंद-नापसंद पर पड़ता है। जैसे, देखा गया था कि यदि गर्भावस्था अथवा स्तनपान की अवधि में मां गाजर का रस पीये तो बच्चे को भी यही ज़ायका भाता है। इस बात को और गहराई से समझने के लिए ही हेलन हौसनर ने कुछ प्रयोग किए। उन्होंने 18 ऐसी मांओं को चुना जो स्तनपान करा रही थीं। इन सभी से उनके दूध के नमूने प्राप्त किए गए। इसके बाद उन्हें चार अलग-अलग सुगंधित पदार्थों के कैप्सूल खाने को दिए गए। इनमें अजवाइन, मेंथॉल, केला और मुलेठी की सुगंध थी। फिर समय-समय पर उनके दूध की जांच की गई।

पता चला कि अलग-अलग गंध को दूध में प्रकट होने में अलग-अलग समय लगता है। जैसे अजवाइन और मुलेठी की गंध 2 घण्टे बाद सबसे तेज़ होती है, तो केले की गंध जल्दी ही दूध में आ जाती है मगर मात्र एक घण्टे तक रहती है। मेंथॉल की गंध 2-8 घण्टे बनी रहती है। सारी गंध लगभग 8 घण्टे बाद नदारद हो जाती है।

इससे स्पष्ट है कि मां के दूध की गंध समय के साथ बदलती रहती है। इसके अलावा यह प्रत्येक स्त्री के लिए भी विशिष्ट होती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि उनकी खोज के व्यावहारिक लाभ भी हो सकते हैं। जैसे कई मांओं को यह चिंता रहती है कि क्यों उनकी बेटी (या बेटा) दूध पीने से मना करती है। हो सकता है कि उसे मां के दूध की महक न भा रही हो। ऐसी स्थिति में मां अपने खानपान में बदलाव करके देख सकती है।

इसके अलावा होसनर के प्रयोगों से एक बात और उभरती है। यदि किसी बच्चे को शुरू से बोतल का दूध मिलेगा तो उसका संपर्क इतनी तरह-तरह की गंधों से नहीं होगा। इसके कारण हो सकता है कि उसमें कई गंधों के लिए संवेदना ही पैदा न हो। इस मामले में मां का दूध पीने वाले बच्चे लाभ में रहेंगे। स्तनपान बच्चे के लिए आगे की तैयारी का तरीका है। ऐसा नहीं है कि केले की गंध वाला दूध पी रही बच्ची तुरंत समझ जाएगी कि वह 'बनाना शेक' गटक रही है मगर यह गंध उसकी स्मृति में रहेगी।

वैसे शोधकर्ताओं का बोतल पर निर्भर मांओं से कहना है कि वे चाहें तो ब्रांड बदल-बदलकर देख सकती हैं ताकि बच्चों को अलग-अलग स्वाद मिलें। ***(स्रोत फीचर्स)***